राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

fofo/k dk;Øe ,o अंतरमहाविद्यालयीय ifr;kfxrk,			
1-	13-09-2023 l 27-09-2023	fgUnh lkfgR; ij vkuykbu i"uksRrjh ¼fyd inku fd;k tk;xk½ lHkh dk ifrHkkfxrk dk b&iek.ki= feyxkA	
2-	14-09-2023	vijkg.k 1-00 ct	0;k[;ku fo'k;&Hke.Myhdr fo"o e jktHkk'kk fgUnhAA
3-	15-09-2023	Lkk;dky 4-00 ct rd tek dj nA	fucU/k ifr;kfxrk fo'k;&fo"o Hkk'kk dh vkj fgUnh d c<r dneA vf/kdre "kCn 1000 ifr egkfo|ky; vf/kdre 3 ifrHkkxhA
4-	18-09-2023	Lkk;dky 4-00 ct rd tek dj nA	Lykxu ifr;kfxrk fo'k;&jktHkk'kk fgUnh ifr egkfo|ky; 3 ifrHkkxhA
5-	19-09-2023	vijkg.k 1-00 ct	Lojfpr dk0; ikB ifr;kfxrk fo'k;&Lo:fp vulkjA ifr egkfo|ky; vf/kdre 3 ifrHkkxhA vf/kdre le; 5 feuV
6-	20-09-2023	Lkk;dky 4-00 ct rd tek dj nA	dgkuh fo'k;&cjktxkjhA ifr egkfo|ky; vf/kdre 3 ifrHkkxhA
7-	22-09-2022	vijkg.k 1-00 ct	fgUnh dfo;k dh dforkvk dk lLoj ikB dfo dk ifjp;$ikB] ¼1$4 feuV½ ifr egkfo|ky; vf/kdre 3 ifrHkkxhA

8-	25-09-2023	vijkg.k 1-00 ct	Hkk'k.k ifr;kfxrk fo'k;&ekr Hkk'kk e f"k{kk% volj o pukfr;kA ifr egkfo|ky; vf/kdre 2 ifrHkkxhA vf/kdre le; 5 feuV
9-	26-09-2023	Lkk;dky 4-00 ct rd tek djnA	fgUnh lkfgR;dkjk dk vuekly opu ifr;kfxrk ifr egkfo|ky; vf/kdre 3 ifrHkkxhA
10-	27-09-2023	vijkg.k 1-00 ct	lekiu@ iek.ki= forj.k

14 सितंबर 2023

व्याख्यान "भूमण्डलीकृत विश्व में राजभाषा हिंदी"

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में "राजभाषा हिंदी पखवाड़ा"(दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) के अंतर्गत 14 सितंबर 2023 को व्याख्यान का आयोजन किया गया। "भूमण्डलीकृत विश्व में राजभाषा हिंदी" विषयक व्याख्यान में विद्वान् वक्ता के रूप में **डॉ. कुमार बीरेन्द्र सिंह(एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय**) थे। मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । तत्पश्चात् डॉ कौमुदी श्रीवास्तव ने प्रो सिंह को पौधा देकर उनका स्वागत किया । उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हिंदी विषयक योगदान को हम याद रखेंगे। प्रो सिंह ने हिंदी भाषा को अन्य स्थानीय भाषाओं के साथ विवाद के बजाय सहयोग पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण स्थानीयता के विरुद्ध है और स्थानीयता में बोलियां भी शामिल हैं। हिंदी बिना बोलियों के आगे नहीं

बढ़ सकती है। भूमंडलीकरण के दौर में इन बोलियों पर भी खतरा है। बोलियां नष्ट होंगी तो हिंदी भी नष्ट होगी और हिंदी भाषा के लिए अभिशाप है। हाल ही में भारत में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आर्थिक गलियारा बनाने पर आम सहमति तो बनी, लेकिन हिंदी जो विश्व की तीसरी सबसे बोली जाने वाली भाषा है उसे संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा घोषित करवाने पर बल दिया। चंद्रयान तीन के चंद्रमा पर पहुंचने पर चंद्रयान दो के द्वारा कहना कि "स्वागत है मेरे दोस्त" निश्चित रूप से विज्ञान जगत में भी हिंदी की स्वीकार्यता है और हिंदी केवल विश्व की नहीं वरन् अखिल ब्रह्मांड की भाषा है । डॉ नीलिमा सिंह (एसो.प्रो राजनीति विज्ञान एवं राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा की संयोजिका) ने पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में डॉ नीलिमा सिंह ने प्रो सिंह को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

डॉ. कुमार बीरेन्द्र सिंह(एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

दिनांक 19 सितंबर 2023

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

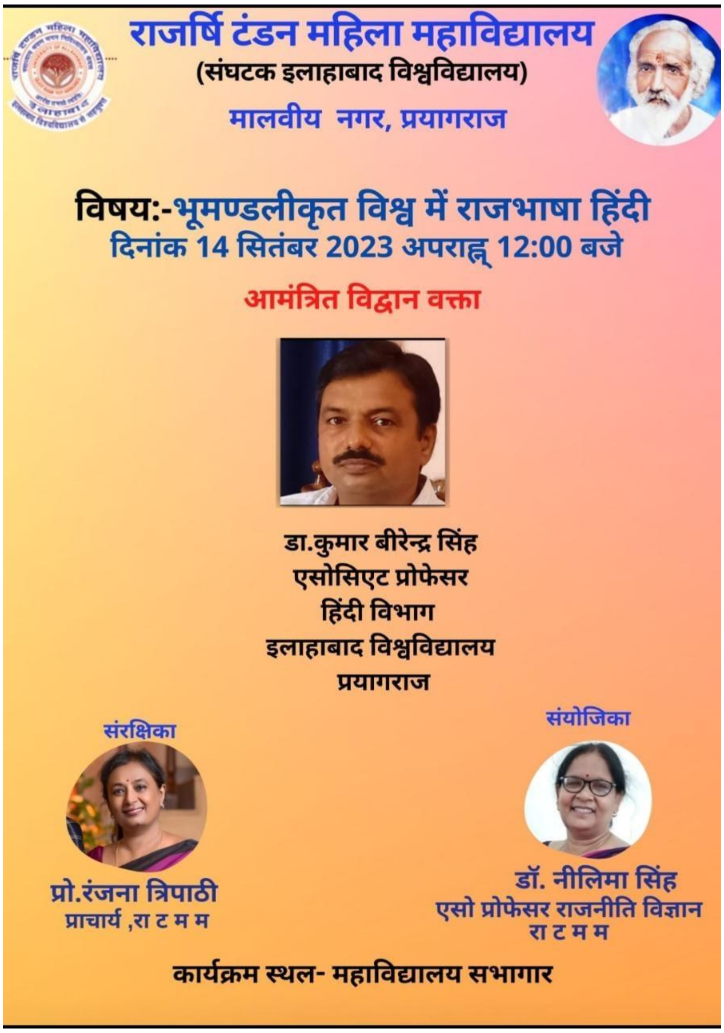

English language to | ebrated with great pomp in | present on this occasion. | sisted for a long time.

AU professor recalls contribution of Rajarshi Purushottam Das Tandon towards Hindi

ALLAHABAD EXPRESS

Prayagraj: A lecture was organized on Thursday under "Official Language Hindi Fortnight" (dated 13 to 27 September 2023) at Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya Constituent, Allahabad University. Dr. Kumar Birendra Singh (Associate Professor, Department of Hindi and Modern Languages, Allahabad University) was the learned speaker in the lecture on "Official Language Hindi in the Globalized World". The program was started by the Chief Guest by garlanding the statue of Saraswati and lighting the lamp. Thereafter, Dr. Kaumudi Srivastava welcomed Prof. Singh by giving him a sapling. He said in his lecture that we will remember the contribution of Rajarshi Purushottam Das Tandon towards Hindi. Prof. Singh emphasized on cooperation of Hindi language with other local languages instead of conflict. He also said that globalization is against localism and localism also includes dialects. Hindi cannot progress without dialects. In the era of globalization, these dialects are also under threat. If dialects are destroyed then Hindi will also be destroyed and it is a curse for Hindi language. Recently, during the G-20 summit held in India, a consensus was reached on building an economic corridor, but emphasis was laid on declaring Hindi, which is the third most spoken language in the world, as the official language of the United Nations. On Chandrayaan 3 reaching the Moon, Chandrayaan 2 saying "Welcome, my friend" is definitely an acceptance of Hindi in the world of science and Hindi is not only the language of the world but of the entire universe. Dr. Neelima Singh (Asso.Prof Political Science and Coordinator of Official Language Hindi Fortnight) conducted the program and expressed vote of thanks while presenting the outline of various inter-college competitions organized under the Fortnight. In the end, Dr. Neelima Singh honored Prof. Singh by giving him a memento. On this occasion, all the teachers and female students of the college and a large number of girl students were also present.

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

बोलियां नष्ट होंगी तो हिंदी भी नष्ट होगी: प्रो. सिंह

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में ÷राजभाषा हिंदी पखवाड़ा÷ के अंतर्गत आज व्याख्यान का आयोजन किया गया। ÷भूमण्डलीकृत विश्व में राजभाषा हिंदी÷ विषयक व्याख्यान में विद्वान् वक्ता के रूप में डॉ. कुमार बीरेन्द्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय थे।मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात् डॉ कौमुदी श्रीवास्तव ने प्रो सिंह को पौधा देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हिंदी विषयक योगदान को हम याद रखेंगे। प्रो सिंह ने हिंदी भाषा को अन्य स्थानीय भाषाओं के साथ विवाद के बजाय सहयोग पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण स्थानीयता के विरुद्ध है और स्थानीयता में बोलियां भी शामिल हैं। हिंदी बिना बोलियों के आगे नहीं बढ़ सकती है। भूमंडलीकरण के दौर में इन बोलियों पर भी खतरा है। बोलियां नष्ट होंगी तो हिंदी भी नष्ट होगी और हिंदी भाषा के लिए अभिशाप है। हाल ही में भारत में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आर्थिक गलियारा बनाने पर आम सहमति तो बनी, लेकिन हिंदी जो विश्व की तीसरी सबसे बोली जाने वाली भाषा है उसे संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा घोषित करवाने पर बल दिया। डॉ नीलिमा सिंह, एसो.प्रो राजनीति विज्ञान एवं राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा की संयोजिका ने पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न अंतर-महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में डॉ नीलिमा सिंह ने प्रो सिंह को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

हिंदी बिना बोलियों के आगे नहीं बढ़ सकती : राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में 'भूमण्डलीकृत विश्व में राजभाषा हिंदी' विषय व्याख्यान हुआ। वक्ता डॉ. कुमार वीरेंद्र सिंह ने कहा कि भूमंडलीकरण स्थानीयता के विरुद्ध है और स्थानीयता में बोलियां भी शामिल हैं। हिंदी बिना बोलियों के आगे नहीं बढ़ सकती है। ब्यूरो

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

NORTHERN INDIA PATRIKA

AU professor recalls contribution of Rajarshi Purushottam Das Tandon towards Hindi

Prayagraj: A lecture was organized on Thursday under "Official Language Hindi Fortnight" (dated 13 to 27 September 2023) at Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya Constituent, Allahabad University. Dr. Kumar Birendra Singh (Associate Professor, Department of Hindi and Modern Languages, Allahabad University) was the learned speaker in the lecture on "Official Language Hindi in the Globalized World". The program was started by the Chief Guest by garlanding the statue of Saraswati and lighting the lamp. Thereafter, Dr. Kaumudi Srivastava welcomed Prof. Singh by giving him a sapling. He said in his lecture that we will remember the contribution of Rajarshi Purushottam Das Tandon towards Hindi. Prof. Singh emphasized on cooperation of Hindi language with other local languages instead of conflict. He also said that globalization is against localism and localism also includes dialects. Hindi cannot progress without dialects. In the era of globalization, these dialects are also under threat. If dialects are destroyed then Hindi will also be destroyed and it is a curse for Hindi language. Recently, during the G-20 summit held in India, a consensus was reached on building an economic corridor, but emphasis was laid on declaring Hindi, which is the third most spoken language in the world, as the official language of the United Nations. On Chandrayaan 3 reaching the Moon, Chandrayaan 2 saying "Welcome, my friend" is definitely an acceptance of Hindi in the world of science and Hindi is not only the language of the world but of the entire universe. Dr. Neelima Singh (Asso.Prof Political Science and Coordinator of Official Language Hindi Fortnight) conducted the program and expressed vote of thanks while presenting the outline of various inter-college competitions organized under the Fortnight. In the end, Dr. Neelima Singh honored Prof. Singh by giving him a memento. On this occasion, all the teachers and female students of the college and a large number of girl students were also present.

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा(दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) के अंतर्गत 14 सितंबर 2023 को व्याख्यान का आयोजन किया गया। भूमण्डलीकृत विश्व में राजभाषा हिंदी विषयक व्याख्यान में विद्वान् वक्ता के रूप में डॉ. कुमार बीरेन्द्र सिंह(एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय) थे। मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया । तत्पश्चात् डॉ कौमुदी श्रीवास्तव ने प्रो सिंह को पौधा देकर उनका स्वागत किया । उन्होंने अपने व्याख्यान में कहा कि राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के हिंदी विषयक योगदान को हम याद रखेंगे। प्रो सिंह ने हिंदी भाषा को अन्य स्थानीय भाषाओं के साथ विवाद के बजाय सहयोग पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमंडलीकरण स्थानीयता के विरुद्ध है और स्थानीयता में बोलियां भी शामिल हैं। हिंदी बिना बोलियों के आगे नहीं बढ़ सकती है। भूमंडलीकरण के दौर में इन बोलियों पर भी खतरा है। बोलियां नष्ट होंगी तो हिंदी भी नष्ट होगी और हिंदी भाषा के लिए अभिशाप है। हाल ही में भारत में संपन्न जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान आर्थिक गलियारा बनाने पर आम सहमति तो बनी, लेकिन हिंदी जो विश्व की तीसरी सबसे बोली जाने वाली भाषा है उसे संयुक्त राष्ट संघ की आधिकारिक भाषा घोषित करवाने पर बल दिया। चंद्रयान तीन के चंद्रमा पर पहुंचने पर चंद्रयान दो के द्वारा कहना कि स्वागत है मेरे दोस्त निश्चित रूप से विज्ञान जगत में भी हिंदी की स्वीकार्यता है और हिंदी केवल विश्व की नहीं वरन् अखिल ब्रह्मांड की भाषा है । डॉ नीलिमा सिंह (एसो.प्रो राजनीति विज्ञान एवं राजभाषा हिन्दी पखवाड़ा की संयोजिका) ने पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित विभिन्न अंतर- महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में डॉ नीलिमा सिंह ने प्रो सिंह को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

अंतरमहाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय(संघटक,इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में "राजभाषा हिंदी पखवाड़ा" (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) के अंतर्गत दिनांक 19 सितंबर 2023 को अंतरमहाविद्यालयीय" स्वरचित काव्य पाठ" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार अपनी कविता प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ कल्पना वर्मा (अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज) थीं। उन्होंने प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को कविता पाठ के कुछ नियम भी बताये, जैसे कविता को प्रस्तुत करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि कविता की लयात्मकता बनी रहे, अतः उसे एक लय में ही पढ़ना चाहिए,कभी भी कविता चिल्ला कर नहीं पढ़नी चाहिए । चूंकि काव्य पाठ के लिए प्रतिभागी को एक निश्चित समय दिया जाता है इसलिए भूमिका न बनाते हुए सीधे कविता पढ़ें। कविता का प्रारम्भ करते समय दूसरों की कविताओं की पंक्तियों को न पढ़ें। डॉ वर्मा ने उदाहरण स्वरूप अपनी कुछ कविताओं का पाठ करके

प्रतिभागियों को काव्य पाठ के नियमों से अवगत कराया। तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की, जो इस प्रकार थे --

* प्रथम स्थान -श्री अनुराग (ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज)

* द्वितीय स्थान -कु तृप्ति मिश्रा (राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय)

* तृतीय स्थान -1-श्री शिवम मिश्रा (इ वि वि)

2-कु तनु पाण्डेय (ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज)

* सान्त्वना स्थान -1- कु गीता मिश्रा (आर्य कन्या डिग्री कॉलेज) 2-अस्तित्व चित्रांशी (इ वि वि)3-कु अंकिता सोनी (जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज)।

कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह (एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राज भाषा हिन्दी की कार्यक्रम की संयोजिका) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया ।

इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं **शामि**ल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

अंतरमहाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय प्रयागराज में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आज अंतरमहाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार अपनी कविता प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ कल्पना वर्मा, अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज थीं। उन्होंने प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को कविता पाठ के कुछ नियम भी बताये, जैसे कविता को प्रस्तुत करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि कविता की लयात्मकता बनी रहे, अत: उसे एक लय में ही पढ़ना चाहिए,कभी भी कविता चिल्ला कर नहीं पढ़नी चाहिए। चूंकि काव्य पाठ के लिए प्रतिभागी को एक निश्चित समय दिया जाता है इसलिए भूमिका न बनाते हुए सीधे कविता पढ़ें। कविता का प्रारम्भ करते समय दूसरों की कविताओं की पंक्तियों को न पढ़ें। डॉ वर्मा ने उदाहरण स्वरूप अपनी कुछ कविताओं का पाठ करके प्रतिभागियों को काव्य पाठ के नियमों से अवगत कराया। तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह, एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राज भाषा हिन्दी की कार्यक्रम की संयोजिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया,अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि कविता लिखने का गुण सबमें रहता है पर निकलता किसी किसी से है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं शामिल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

अंतरमहाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय प्रयागराज में ÷राजभाषा हिंदी पखवाड़ा÷ के अंतर्गत आज अंतरमहाविद्यालयीय ÷स्वरचित काव्य पाठ÷ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार अपनी कविता प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ कल्पना वर्मा, अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज थीं। उन्होंने प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को कविता पाठ के कुछ नियम भी बताये, जैसे कविता को प्रस्तुत करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि कविता की लयात्मकता बनी रहे, अतः उसे एक लय में ही पढ़ना चाहिए,कभी भी कविता चिल्ला कर नहीं पढ़नी चाहिए। चूंकि काव्य पाठ के लिए प्रतिभागी को एक निश्चित समय दिया जाता है इसलिए भूमिका न बनाते हुए सीधे कविता पढ़ें। कविता का प्रारम्भ करते समय दूसरों की कविताओं की पंक्तियों को न पढ़ें।

डॉ वर्मा ने उदाहरण स्वरूप अपनी कुछ कविताओं का पाठ करके प्रतिभागियों को काव्य पाठ के नियमों से अवगत कराया। तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की।आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह, एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राज भाषा हिन्दी की कार्यक्रम की संयोजिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया,अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि कविता लिखने का गुण सबमें रहता है पर निकलता किसी किसी से है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं शामिल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

Inter-college "Self-written poetry recitation" competition held at Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya

PRAYAGRAJ: An inter-college "Self-written poetry recitation" competition was organized on 19 September 2023 under the "Official Language Hindi Fortnight" (13 to 27 September 2023) in Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (Constituent, Allahabad University), Prayagraj, in which the participants participated as per their interest. Presented her poem. Dr. Kalpana Verma (Retired Associate Professor, Hindi Department, Arya Kanya Degree College) was the judge in this competi-

tion. Before announcing the result of the competition, she shared the rules of poetry recitation to the participants, like while presenting the poem, it should be kept in mind that the rhythm of the poem should be maintained, hence it should be read in one rhythm only, never shout the poem. Should not read. Since the participant is given a fixed time for poetry recitation, read the poem directly without creating a role. While starting a poem, do not read the lines of others' poems. Dr. Verma made the participants aware of the rules of poetry recitation by reciting some of her poems as an example. Thereafter

she announced the results, which were as follows -

* First place -Shri Anurag (Ishwar Saran Degree College)

* Second place - Ku Tripti Mishra (Rajarshi Tandon Women's College)

* Third place -1-Shri Shivam Mishra (EVI)

2-Ku Tanu Pandey (Ishwar Saran Degree College)

* Consolation Place -1- Ku Geeta Mishra (Arya Kanya Degree College) 2- Astitva Chitranshi (EVI)

3-Ku Ankita Soni (Jagat Taran Girls Degree College).

Today's program was conducted by Dr. Neelima Singh (Asso Prof. Political Science and Program Coordinator of Official Language Hindi) and the vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi, in her statement she said that the quality of writing poetry is there in everyone but it comes out in some people. Is from someone.

On this occasion, a large number of students including all the teachers of the college participated.

In Samajwadi Party City North, 33 persons have been assigned duty

Prayagraj: The much awaited committee of Samajwadi Party City North Legislative Assembly was

स्वरचित काव्य पाठ में अनुराग रहे अव्वल

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के तहत मंगलवार को अंतर महाविद्यालयीय स्वरचित काव्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के अनुराग पहले, मेजबान कॉलेज की तृप्ति मिश्रा दूसरे और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिवम मिश्रा एवं ईश्वर शरण कॉलेज की तनु पांडेय संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की गीता मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार मिला। प्रतियोगिता की की निर्णायक डॉ. कल्पना वर्मा रहीं। संचालन डॉ. नीलिमा सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य प्रो. रंजना त्रिपाठी ने किया। ब्यूरो

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

"Self-written poetry recitation" competition held at RTMM

Prayagraj: An inter-college "Self-written poetry recitation" competition was organized on 19 September 2023 under the "Official Language Hindi Fortnight" (13 to 27 September 2023) in Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (RTMM a constituent of Allahabad University), Prayagraj, in which the participants participated as per their interest.

Presented his poem. Dr. Kalpana Verma (Retired Associate Professor, Hindi Department, Arya Kanya Degree College) was the judge in this competition. Before announcing the result of the competition, he also told some rules of poetry recitation to the participants, like while presenting the poem, it should be kept in mind that the rhythm of the poem should be maintained, hence it should be read in one rhythm only, never shout the poem. Should not read. Since the participant is given a fixed time for poetry recitation, read the poem directly without creating a role. While starting a poem, do not read the lines of others' poems. Dr. Verma made the participants aware of the rules of poetry recitation by reciting some of his poems as an example. Thereafter he announced the results, which were as follows - First place - Shri Anurag (Ishwar Saran Degree College). Second place -Ku Trupti Mishra (Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya). Third place -1-Shri Shivam Mishra (I.V. V) 2-Ku Tanu Pandey (Ishwar Saran Degree College). Consolation place - 1- Ku Geeta Mishra (Arya Kanya Degree College) 2- Astitva Chitranshi (IVI) 3- Ku Ankita Soni (Jagat Taran Girls Degree College). Today's program was conducted by Dr. Neelima Singh (Asso Prof. Political Science and Program Coordinator of Official Language Hindi) and the vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi, in her statement she said that the quality of writing poetry is there in everyone but it comes out in some people. On this occasion, a large number of students including all the teachers of the college participated.

5

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, बुधवार 20 सितम्बर 2023

स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक,इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आज अंतरमहाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार अपनी कविता प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ कल्पना वर्मा (अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, आर्य कन्या डिग्री कॉलेज) थीं। उन्होंने प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को कविता पाठ के कुछ नियम भी बताये। चूंकि काव्य पाठ के लिए प्रतिभागी को एक निश्चित समय दिया जाता है इसलिए भूमिका न बनाते हुए सीधे कविता पढ़ें। कविता का प्रारम्भ करते समय दूसरों की कविताओं की पंक्तियों को न पढ़ें। डॉ वर्मा ने उदाहरण स्वरूप अपनी कुछ कविताओं का पाठ करके प्रतिभागियों को काव्य पाठ के नियमों से अवगत कराया। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह (एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राज भाषा हिन्दी की कार्यक्रम की संयोजिका) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया,अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि कविता लिखने का गुण सबमें रहता है पर निकलता किसी किसी से है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं शामिल हुए।

हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर- पाठ

22.09.2023

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक,इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में "राजभाषा हिंदी पखवाड़ा"के अन्तर्गत (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023 तक) चलने वाली विभिन्न अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में दिनांक 22.09.2023 को ' हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर- पाठ ' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार कवियों का चयन किया। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में **डॉ दीनानाथ (एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज)** थे। उन्होंने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करने से पूर्व प्रतिभागियों को कविताओं के चयन तथा उसके सस्वर पाठ करने की बारीकियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में कविता का बहुत महत्त्व होता है इसलिए उसी कविता का चयन करें जो श्रोताओं को आनन्दित और अभिभूत कर सके। कविता को बिना देखे पढ़ें। इसके अतिरिक्त अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा ने अपने अन्दर अन्य भाषाओं के शब्दों को भी स्वीकार किया, क्योंकि यह एक लोकतांत्रिक और समृद्ध भाषा है ।हम हिन्दी भाषी क्षेत्र में रहते हैं इसलिए हमको हिन्दी के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहिए।

तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की जो इस प्रकार थे -

* प्रथम स्थान- शिवम कुमार(श्यामा प्रसाद मुखर्जी डिग्री कॉलेज)

* द्वितीय स्थान- अनन्या तिवारी(ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज)

* तृतीय स्थान- 1-विधि यादव(ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज)

 2-अपर्णा पांडे (सदन लाल सावलदास खन्ना डिग्री कॉलेज)

*सान्त्वना स्थान-1-तृप्ति मिश्रा (राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय)

2-अंकिता सोनी(जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज)

आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह(एसो. प्रो.,राजनीति शास्त्र तथा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की संयोजिका) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हम हिंदी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं इस बात का हमें गर्व होना चाहिए। हमारे देश की भाषा हमेशा हृदय को स्पर्श करती है, विदेशी अन्य भाषाएं नहीं। जो देश अपनी मातृभाषा में कार्य करते हैं वही आगे बढ़ते हैं। हमारे देश की शिक्षा प्रणाली ही सही नहीं है जो शायद अब नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद सही हो सके। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर- पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय प्रयागराज में ÷राजभाषा हिंदी पखवाड़ा÷के अन्तर्गत चलने वाली विभिन्नअंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में आज हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर- पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार कवियों का चयन किया। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ दीनानाथ, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज थे। उन्होंने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करने से पूर्व प्रतिभागियों को कविताओं के चयन तथा उसके सस्वर पाठ करने की बारीकियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में कविता का बहुत महत्त्व होता है इसलिए उसी कविता का चयन करें जो श्रोताओं को आनन्दित और अभिभूत कर सके। कविता को बिना देखे पढ़ें।

आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह, एसो. प्रो.,राजनीति शास्त्र तथा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की संयोजिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हम हिंदी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं इस बात का हमें गर्व होना चाहिए। हमारे देश की भाषा हमेशा हृदय को स्पर्श करती है, विदेशी अन्य भाषाएं नहीं। जो देश अपनी मातृभाषा में कार्य करते हैं वही आगे बढ़ते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

Language of our nation, not other foreign languages, always hits the heart: Prof. Ranjana Tripathi

Prayagraj: 'Recitation of poems of Hindi poets' on 22.09.2023 in the sequence of various inter-college competitions running under "Official Language Hindi Fortnight" (from 13 to 27 September 2023) in Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (RTMM, Constituent, Allahabad University) Prayagraj. A competition was organized in which the participants selected poets as per their interest. Dr. Dinanath (Associate Professor and Chairman, Hindi Department, CMP Degree College) was the judge in the said competition. Before announcing the results of the competition, he also informed the participants about the intricacies of selecting poems and reciting them. He said that poetry has great importance in our life, hence choose only that poetry which can delight and overwhelm the listeners. Read the poem without looking at it. Apart from this, in his statement he said that Hindi language also accepted the words of other languages within itself, because it is a democratic and prosperous language. We live in Hindi speaking area, hence we should express respect towards Hindi. After that he The results were announced which were as follows –

First place – Shivam Kumar (Shyama Prasad Mukherjee Degree College). Second place – Ananya Tiwari (Ishwar Sharan Degree College). Third place – 1-Vidhi Yadav (Ishwar Sharan Degree College) 2-Aparna Pandey (Sadan Lal Savaldas Khanna Degree College). Consolation place-1-Trupti Mishra (Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya) 2-Ankita Soni (Jagat Taran Girls Degree College) Today's program was conducted by Dr. Neelima Singh (Asso. Prof., Political Science and Coordinator of Official Language Hindi Fortnight Program) And the vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi. In his statement She said that we should be proud of the progress we are making in Hindi. The language of our country always touches the heart, not other foreign languages. Only those countries which work in their mother tongue progress. The education system of our country is not perfect, which may now become perfect after the implementation of the new education policy. On this occasion, all the teachers of the college along with a large number of students from Rajarshi Tandon Women's College and other colleges also participated.

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

जीवन में कविता का बहुत महत्त्वः डॉ दीनानाथ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के अन्तर्गत चलने वाली विभिन्न अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार कवियों का चयन किया। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ दीनानाथ थे। उन्होंने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करने से पूर्व प्रतिभागियों को कविताओं के चयन तथा उसके सस्वर पाठ करने की बारीकियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में कविता का बहुत महत्त्व होता है इसलिए उसी कविता का चयन करें जो श्रोताओं को आनन्दित और अभिभूत कर सके। कविता को बिना देखे पढ़ें। इसके अतिरिक्त अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा ने अपने अन्दर अन्य भाषाओं के शब्दों को भी स्वीकार किया, क्योंकि यह एक लोकतांत्रिक और समृद्ध भाषा है। हम हिन्दी भाषी क्षेत्र में रहते हैं इसलिए हमको हिन्दी के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हम हिंदी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं इस बात का हमें गर्व होना चाहिए। हमारे देश की भाषा हमेशा हृदय को स्पर्श करती है, विदेशी अन्य भाषाएं नहीं।

हिंदी कवियों की कविताओं का

सस्वर- पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय प्रयागराज में राजभाषा हिंदी पखवाड़ाके अन्तर्गत चलने वाली विभिन्न अंतर महाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में आज हिंदी कवियों की कविताओं का सस्वर-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने स्वरुचि के अनुसार कवियों का चयन किया। उक्त प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ दीनानाथ, एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज थे। उन्होंने प्रतियोगिता परिणाम की घोषणा करने से पूर्व प्रतिभागियों को कविताओं के चयन तथा उसके सस्वर पाठ करने की बारीकियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में कविता का बहुत महत्त्व होता है इसलिए उसी कविता का चयन करें जो श्रोताओं को आनन्दित और अभिभूत कर सके। कविता को बिना देखे पढ़ें। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह, एसो. प्रो.,राजनीति शास्त्र तथा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की संयोजिका ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि हम हिंदी को लेकर आगे बढ़ रहे हैं इस बात का हमें गर्व होना चाहिए। हमारे देश की भाषा हमेशा हृदय को स्पर्श करती है, विदेशी अन्य भाषाएं नहीं। जो देश अपनी मातृभाषा में कार्य करते हैं वही आगे बढ़ते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

Recitation of poems of Hindi poets' held at Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya

Prayagraj: Recitation of poems of Hindi poets' on 22.09.2023 in the sequence of various inter-college competitions running under "Official Language Hindi Fortnight" (from 13 to 27 September 2023) in Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (Constituent, Allahabad University) Prayagraj. A competition was organized in which the participants selected poets as per their interest. Dr. Dinanath (Associate Professor and Chairman, Hindi Department, CMP Degree College) was the judge in the said competition. Before announcing the results of the competition, he also informed the participants about the intricacies of selecting poems and reciting them. He said that poetry has great importance in our life, hence choose only that poetry which can delight and overwhelm the listeners. Read the poem without looking at it. Apart from this, he said in his statement that Hindi language has also accepted the words of other languages within itself, because it is a democratic and prosperous language. We live in Hindi speaking area, hence we should express respect towards Hindi.

Thereafter he announced the results which were as follows -

* First place- Shivam Kumar (Shyama Prasad Mukherjee Degree College)

* Second place- Ananya Tiwari (Ishwar Sharan Degree College)

* Third Place- 1-Vidhi Yadav (Ishwar Sharan Degree College)

2-Aparna Pandey (Sadan Lal Savaldas Khanna Degree College)

*Consolation Place-1-Trupti Mishra (Rajarshi Tandon Women's College)

2-Ankita Soni (Jagat Taran Girls Degree College)

Today's program was conducted by Dr. Neelima Singh (Asso. Prof., Political Science and Coordinator of Official Language Hindi Fortnight Program) and vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi. In his statement he said that we should be proud of the progress we are making in Hindi. The language of our country always touches the heart, not other foreign languages. Only those countries which work in their mother tongue progress. The education system of our country is not perfect, which may now become perfect after the implementation of the new education policy. On this occasion, all the teachers of the college along with a large number of students from Rajarshi Tandon Women's College and other colleges also participated.

Language of our nation, not other foreign languages, always hits the heart: Prof. Ranjana Tripathi

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: 'Recitation of poems of Hindi poets' on 22.09.2023 in the sequence of various inter-college competitions running under "Official Language Hindi Fortnight" (from 13 to 27 September 2023) in Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (RTMM, Constituent, Allahabad University) Prayagraj. A competition was organized in which the participants selected poets as per their interest. Dr. Dinanath (Associate Professor and Chairman, Hindi Department, CMP Degree College) was the judge in the said competition. Before announcing the results of the competition, he also informed the participants about the intricacies of selecting poems and reciting them. He said that poetry has great importance in our life, hence choose only that poetry which can delight and overwhelm the listeners. Read the poem without looking at it. Apart from this, in his statement he said that Hindi language also accepted the words of other languages within itself, because it is a democratic and prosperous language. We live in Hindi speaking area, hence we should express respect towards Hindi. After that he The results were announced which were as follows -

First place - Shivam Kumar (Shyama Prasad Mukherjee Degree College). Second place - Ananya Tiwari (Ishwar Sharan Degree College). Third place - 1-Vidhi Yadav (Ishwar Sharan Degree College) 2-Aparna Pandey (Sadan Lal Savaldas Khanna Degree College) *Consolation place-1-Trupti Mishra (Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya) 2-Ankita Soni (Jagat Taran Girls Degree College) Today's program was conducted by Dr. Neelima Singh (Asso. Prof., Political Science and Coordinator of Official Language Hindi Fortnight Program) And the vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi. In his statement She said that we should be proud of the progress we are making in Hindi. The language of our country always touches the heart, not other foreign languages. Only those countries which work in their mother tongue progress. The education system of our country is not perfect, which may now become perfect after the implementation of the new education policy. On this occasion, all the teachers of the college along with a large number of students from Rajarshi Tandon Women's College and other colleges also participated.

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

मातृभाषा में शिक्षा: अवसर व चुनौतियां" विषयक भाषण प्रतियोगिता

25 सितम्बर 2023

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय, (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में "राजभाषा हिंदी पखवाड़ा" के अंतर्गत(दिनांक 13 से 27 सितम्बर 2023 तक)चलने वाली विभिन्न अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में दिनांक 25 सितम्बर 2023 को "मातृभाषा में शिक्षा: अवसर व चुनौतियां" विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निर्णायक के रूप में **डॉ रतन कुमारी वर्मा (अध्यक्ष, हिंदी विभाग जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज)** थीं। उन्होंने प्रतियोगिता- परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को भाषण प्रस्तुत करने सम्बन्धी कुछ बारीकियों को समझाया जैसे--1-प्रतियोगिता में वाक्यों को बोलते समय शब्दों का उच्चारण सही होना चाहिए, क्योंकि उच्चारण दोष होने से वक्ता श्रोताओं को प्रभावित नहीं कर पाते हैं। 2- शब्दों में अनुस्वार का अनावश्यक प्रयोग नहीं करना चाहिए। 3- प्रतियोगिता के लिए दिए गए विषय पर ही बोलना चाहिए। विषय से भटकाव न हो इसके लिए विषय का पूरा ज्ञान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी देश की जनसंख्या- वृद्धि ही रोजगार की समस्या है। जब तक यह समस्या हल नहीं होती, तब तक विकास नहीं होगा। जो भी बहुराष्ट्रीय कंपनियां है वह सब मातृभाषा में ही जन समूह से बातचीत करती हैं । भाषाओं के जरिए ही बहुराष्ट्रीय कंपनियां तमाम नीतियां लेकर आती हैं और व्यापार करती हैं। पहले हम हिन्दी दिवस मनाते थे,अब हिन्दी पखवाड़ा मनाते हैं। यूजीसी से हिन्दी माह मनाने के लिए पत्र जारी किया गया है। सप्ताह ,पखवाड़ा और माह मनाने के कारण ही हिन्दी विभाग की चर्चा अन्य विभागों से ज्यादा होती है। भारत में बोली जाने वाली सभी मातृभाषाओं का हमें सम्मान करना चाहिए।

तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की जो इस प्रकार थे --

*प्रथम स्थान - शिखा वर्मा (जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज)

*द्वितीय स्थान- वैष्णवी मिश्रा (राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय)

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

*तृतीय स्थान-स्वेच्छा मिश्रा   (ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज)।

आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह(एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा की संयोजिका) ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि समय के साथ बच्चों की क्षमताएं भी बढ़ती जा रही हैं। जो देश आज आगे बढ़ रहे हैं उनकी शिक्षा उनकी मातृभाषा से ही हुई है। इजराइल में मृत् हो चुकी हिब्रू भाषा को अथक प्रयासों से पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने कहा कि हम हिंदी को समृद्ध करके आगे बढ़ाएं। व्यवसाय में हम तभी आगे बढ़ पाएंगे जब हमारा चिंतन, मनन अपनी मातृभाषा में होगा। सृजन शक्ति से ही देश आगे बढ़ता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक ,शिक्षिकाओं तथा राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की छात्राओं सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

NORTHERN INDIA PATRIKA

PRAYAGRAJ, TUESDAY, SEPTEMBER 26, 2023

PRAYAGRAJ 03

Speech competition on "Education in Mother Tongue: Opportunities & Challenges" held at RTMM

BJP men celebrated b'anniv of Pandit Deendayal Upadhyay with great pomp

Advocate Rashid Ali files nomination for Librarian post

Journos revealed their grievances to RSS chief via memo

Vidhuri's membership should be revoked, & treason charge initiated: Cong

BJP Mahila Morcha felicitated MP Rita and Kesari Devi

Free eye checkup held for mediapersons in Press Club

Start courses related to defence corridor: Governor Anandiben Patel

Ganpati bid adieu amid much hoopla, Abhilasha Nandi performed puja

Notice

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

मातृभाषा में शिक्षा– अवसर व चुनौतियां विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय, (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में राजभाषा हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत चलने वाली विभिन्न अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिताओं के क्रम में आज मातृभाषा में शिक्षा- अवसर व चुनौतियां विषयक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निर्णायक के रूप में डॉ रतन कुमारी वर्मा, अध्यक्ष, हिंदी विभाग जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज प्रयागराज थीं।

उन्होंने प्रतियोगिता- परिणाम की घोषणा करने के पूर्व प्रतिभागियों को भाषण प्रस्तुत करने सम्बन्धी कुछ बारीकियों को समझाया जैसे प्रतियोगिता में वाक्यों को बोलते समय शब्दों का उच्चारण सही होना चाहिए, क्योंकि उच्चारण दोष होने से वक्ता श्रोताओं को प्रभावित नहीं कर पाते हैं। शब्दों में अनुस्वार का अनावश्यक प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्रतियोगिता के लिए दिए गए विषय पर ही बोलना चाहिए। विषय से भटकाव न हो इसके लिए विषय का पूरा ज्ञान होना चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी देश की जनसंख्या वृद्धि ही रोजगार की समस्या है। जब तक यह समस्या हल नहीं होती, तब तक विकास नहीं होगा। जो भी बहुराष्ट्रीय कंपनियां है वह सब मातृभाषा में ही जन समूह से बातचीत करती हैं। भाषाओं के जरिए ही बहुराष्ट्रीय कंपनियां तमाम नीतियां लेकर आती हैं और व्यापार करती हैं। पहले हम हिन्दी दिवस मनाते थे, अब हिन्दी पखवाड़ा मनाते हैं। यूजीसी से हिन्दी माह मनाने के लिए पत्र जारी किया गया है। सप्ताह, पखवाड़ा और माह मनाने के कारण ही हिन्दी विभाग की चर्चा अन्य विभागों से ज्यादा होती है। भारत में बोली जाने वाली सभी मातृभाषाओं का हमें सम्मान करना चाहिए ।

तत्पश्चात् उन्होंने परिणाम की घोषणा की। आज के कार्यक्रम का संचालन डॉ नीलिमा सिंह, एसो प्रो राजनीति शास्त्र तथा राजभाषा हिंदी पखवाड़ा की संयोजिका ने तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि समय के साथ बच्चों की क्षमताएं भी बढ़ती जा रही हैं। जो देश आज आगे बढ़ रहे हैं उनकी शिक्षा उनकी मातृभाषा से ही हुई है। इजराइल में मृत् हो चुकी हिब्रू भाषा को अथक प्रयासों से पुनर्जीवित किया गया। उन्होंने कहा कि हम हिंदी को समृद्ध करके आगे बढ़ाएं। व्यवसाय में हम तभी आगे बढ़ पाएंगे जब हमारा चिंतन, मनन अपनी मातृभाषा में होगा। सृजन शक्ति से ही देश आगे बढ़ता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं तथा राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की छात्राओं सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए।

fucU/k ifr;kfxrk   fnukd% 15-09-2023

fo'k;& ^^fo"o Hkk'kk dh vkj fgUnh d c<rs dne^^

fu.kk;d d :i e& MkO d'.kLo:i vkuUnh

<u>ifr;kfxrk dk ifj.kke</u>

1- iFke LFkku & Jh vgen jtk& chO ,MO rrh; lsesLVj & dO ihO Vfux dkyst
2- f}rh; LFkku & dO Lokrh xIrk& chO ,0 rrh; o'k & txr rkju xYl fMxh dkyst
3- rrh; LFkku & dO xkjh & ,eO ,0 f}rh; lsesLVj & ,lO ,lO [kUuk fMxh dkyst

4- rrh; LFkku & d0 oUnuk ;kno& ch0 ,0 f}rh; o'k & jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
5- lkURouk ijLdkj &d0 jt frokjh & ch0 ,0 f}rh; o'k &jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
6- lkURouk ijLdkj & d0 ugk flg & ch0 ,0 rrh; o'k txr rkju xYl fMxh dkyst
7- lkURouk ijLdkj & d0 lf'erk ;kno ch0 ,0 f}rh; o'k & vk;l dU;k fMxh dkyst

Lykxu vUregkfo|ky;h; ifr;kfxrk

fo'k;& jktHkk'kk fgUnh   fnukad% 19-09-2023

fu.kk;d dh :i e& MkO dYiuk oek

ifr;kfxrk dk ifj.kke

1- iFke LFkku & d0 oUnuk ;kno & jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
2- f}rh; LFkku & Jh vk"kh'k flg & d0 ih0 Vfux dkyst
3- rrh; LFkku & d0 Lokrh xlrk & txr rkju xYl fMxh dkyst
4- rrh; LFkku & d0 ugk flg & txr rkju xYl fMxh dkyst

dgkuh ifr;kfxrk fnukad%   20-09-2023

fo'k; & cjkstxkjh

fu.kk;d dh :i e& MkO ehuk jkuh vxoky

<u>ifr;kfxrk dk ifj.kke</u>

1- iFke LFkku & d0 vkHkk ;kno& ,e0 ,0 rrh; leLVj& txr rkju xYl fMxh dkyst

2- f}rh; LFkku & d0 fi;k frokjh & ch0 ,0 rrh; o'k & jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
3- f}rh; LFkku & d0 f"kQk QkRek & ch0 ,M0 iFke leLVj & d0 ih0 Vfux dkyst
4- rrh; LFkku & d0 jtr frokjh & ch0 ,0 f}rh; o'k & jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
5- rrh; LFkku & d0 vk,"kk vUlkjh & ,e0 ,0 rrh; leLVj& gehfn;k xYlZ fMxzh dkyst

fgUnh lkfgR;dkjks dk vuekuy opu ifr;ksfxrk

fnukad% 26-09-2023

fu.kk;d dk :i e& MkW0 uferk ;kno

<u>ifr;ksfxrk dk ifj.kke</u>

1- iFke LFkku& d0 fof/k ;kno & b"oj "kj.k fMxzh dkyst
2- f}rh; LFkku & d0 ru ik.M; & b"oj "kj.k fMxzh dkyst
3- f}rh; LFkku & Jh vk"kh'k flg & d0 ih0 Vfux dkyst
4- rrh; LFkku & d0 ugk flg & txr rkju xYlZ fMxzh dkyst
5- rrh; LFkku & d0 oUnuk ;kno & jktf'k V.Mu efgyk egkfo|ky;
6- lkUROouk iqjLdkj & d0 ru fu'kkn & txr rkju xYlZ fMxzh dkyst

समापन समारोह

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा

27 सितंबर 2023

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में (दिनांक 13 से 27 सितंबर2023 तक) चलने वाले " राजभाषा हिंदी पखवाड़ा" का समापन समारोह दिनांक 27 सितंबर 2023 को संपन्न हुआ। के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो संतोष भदौरिया जी (अध्यक्ष हिंदी

विभाग तथा समन्वयक, गांधी विचार एवं अध्ययन संस्थान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) थे। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संचालन कर रही हिन्दी प्रवक्ता डॉ रेनू आनन्द ने मुख्य अतिथि तथा सभागार में उपस्थित सभी का स्वागत किया। प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने प्रो भदौरिया को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् "स्वरचित कविता" एवं "कविताओं का सस्वर पाठ" प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों ने अपनी पुनः प्रस्तुति दी।तदुपरान्त प्रो भदौरिया ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि 100 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली है। हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है। हिन्दी का समर्थन करते समय हमें किसी भी भाषा का विरोध नहीं करना चाहिए। बड़ी विभूतियों ने हिन्दी के अलावा अन्य भाषाएं भी सीखीं। आज हम हम एक भाषा-भाषी होते जा रहे हैं। हिन्दी की सहयोगी बोलियों का विस्तार होता जा रहा है। बाजार हर दौर में अपने मुनाफे के लिए एक भाषा निर्मित करता है, और भाषा की ताकत को पहचान कर सभी ओर पहुंच रहा है। कोई भी भाषा किसी टकसाल या फैक्ट्री में नहीं बनती वह तो प्रयोग करने से ही जीवित रहती है।हम बोलते समय यह नहीं समझ पाते हैं, कि उसमें किन-किन भाषाओं के शब्द जुड़े हैं। हिन्दी की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हमें अधिकाधिक उसका प्रयोग करना चाहिए। अन्त में प्राचार्या जी ने प्रो भदौरिया जी को स्मृति चिह्न एवं पौधा देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रेनू आनन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्राओं सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में (दिनांक 13 से 27 सितंबर2023 तक) चलने वाले " राजभाषा हिंदी पखवाड़ा" का 25 सितम्बर 2023 को आज दिनांक 27 सितंबर 2023 को संपन्न हुआ। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो संतोष भदौरिया जी (अध्यक्ष हिंदी विभाग तथा समन्वयक, गांधी विचार एवं अध्ययन संस्थान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) थे। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ

कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संचालन कर रही हिन्दी प्रवक्ता डॉ रेनू आनन्द ने मुख्य अतिथि तथा सभागार में उपस्थित सभी का स्वागत किया। प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने प्रो भदौरिया को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् "स्वरचित कविता" एवं "कविताओं का सस्वर पाठ" प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों ने अपनी पुनः प्रस्तुति दी।तदुपरान्त प्रो भदौरिया ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि 100 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली है। हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है। हिन्दी का समर्थन करते समय हमें किसी भी भाषा का विरोध नहीं करना चाहिए। बड़ी विभूतियों ने हिन्दी के अलावा अन्य भाषाएं भी सीखीं। आज हम हम एक भाषा-भाषी होते जा रहे हैं। हिन्दी की सहयोगी बोलियों का विस्तार होता जा रहा है। बाजार हर दौर में अपने मुनाफे के लिए एक भाषा निर्मित करता है, और भाषा की ताकत को पहचान कर सभी ओर पहुंच रहा है। कोई भी भाषा किसी टकसाल या फैक्ट्री में नहीं बनती वह तो प्रयोग करने से ही जीवित रहती है।हम बोलते समय यह नहीं समझ पाते हैं, कि उसमें किन-किन भाषाओं के शब्द जुड़े हैं। हिन्दी की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हमें अधिकाधिक उसका प्रयोग करना चाहिए। अन्त में प्राचार्या जी ने प्रो भदौरिया जी को स्मृति चिह्न एवं पौधा देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रेनू आनन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया।इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्राओं सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

fgUnh lkfgR; ij vkuykbu i”ukRrjh lHkh dk ifrHkkfxrk dk b&iek.ki= feyk

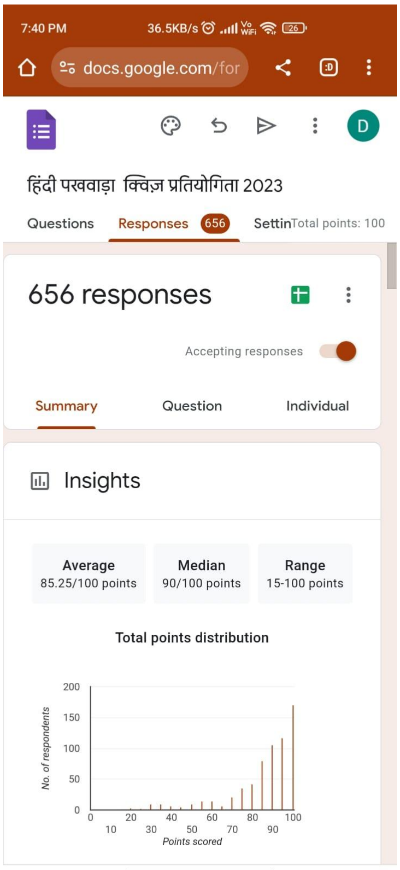

संख्या-10, 18 और 20 पर कारवाई की जाए और आयोग पूछें गए गलत सवालों पर शीघ्र निर्णय लेकर सार्वजनिक रूप से स्थिति स्पष्ट करे, ताकि ... संघर्ष समिति के अध्यक्ष ... अभ्यर्थि... अंक नि... रहे।

प्रयोग करने से ही जीवित रहती है भाषाः प्रो.भदौरिया

प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा का बुधवार को समापन हुआ। मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रो. संतोष भदौरिया ने कहा कि कोई भी भाषा किसी टकसाल या फैक्ट्री में नहीं बनती है, वह तो प्रयोग करने से ही जीवित रहती है।

हम बोलते समय यह नहीं समझ पाते हैं, कि उसमें किन-किन भाषाओं के शब्द जुड़े हैं। हिंदी की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए हमें अधिकाधिक उसका प्रयोग करना चाहिए। इससे पूर्व प्राचार्य प्रो. रंजना त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। संचालन डॉ. रेनू आनंद ने किया। ब्यूरो

मातृभाषा संरक्षण पर जोर

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलिज में बुधवार को हिंदी और बांग्ला के अंतरसंबंध पर मुख्य वक्ता कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष प्रो. असीम मुखर्जी ने बांग्ला और हिंदी के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए मातृभाषा के संरक्षण पर भी जोर दिया। स्वागत प्राचार्य प्रो. आशिमा घोष, संचालन डॉ. रतन कुमारी वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंशुमाला मिश्रा ने किया। ब्यूरो

ताइक्वांडो की प्रगति राज्यपाल से सम्मानित

प्रयागराज। प्रो.राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह में सत्र 2022-23 के अंतरविश्वविद्यालयीय

वैदिक गणित विष

प्रयागराज। प्राथमिक स्तर पर वैदिक गणित को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए राज्य शिक्षा संस्थान की तरफ से विशेष मॉड्यूल

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

5
स्वतंत्र भारत
लखनऊ, गुरूवार 28 सितम्बर 2023
प्रयागरा[ज]
कौशाम्बी

भारतीय रेल ने देश भर में चलाया स्वच्छता ही सेवा अभियान

एनसीआर को मिली राजभाषा शील्ड

हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना हैः प्रो. भदौरिया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) 13 से 27 सितंबर तक चलने वाले राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो संतोष भदौरिया थे। कार्यक्रम का संचालन कर रही हिन्दी प्रवक्ता डॉ रेनू आनन्द ने मुख्य अतिथि तथा सभागार में उपस्थित सभी का स्वागत किया। प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने प्रो भदौरिया का स्वागत किया। तत्पश्चात् स्वरचित कविता एवं कविताओं का सस्वर पाठ प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों ने अपनी पुनः प्रस्तुति दी। प्रो भदौरिया ने कहा कि 100 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली है। हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है। हिन्दी का समर्थन करते समय हमें किसी भी भाषा का विरोध नहीं करना चाहिए। बड़ी विभूतियों ने हिन्दी के अलावा अन्य भाषाएं भी सीखीं। अन्त में प्राचार्या ने प्रो भदौरियाजी को स्मृति चिह्न एवं पौधा देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रेनू आनन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया।

प्रभारी जिलाधिकारी ने की तैयारियों की समीक्षा

नवागत एस डी एम ने कार्यभार संभाला

टीडीएस के प्रावधानों को लेकर संगोष्[ठी]

राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में महर्षि विद्या मन्दिर के छात्रों का चयन

एलपीएस डिजिटल लाइब्रेरी का उदघाटन

संभागीय कबड्डी प्र[तियोगिता]

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

अनुरागदर्शन

प्रयागराज
गुरुवार 28 सितंबर, 2023

हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है – प्रो संतोष भदौरिया

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय (संघटक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) प्रयागराज में (13 से 27 सितंबर तक) चलने वाले राजभाषा हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो संतोष भदौरिया (अध्यक्ष हिंदी विभाग तथा समन्वयक, गांधी विचार एवं अध्ययन संस्थान, इलाहाबाद विश्वविद्यालय) थे। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संचालन कर रही हिन्दी प्रवक्ता डॉ रेनू आनन्द ने मुख्य अतिथि तथा सभागार में उपस्थित सभी का स्वागत किया। प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने प्रो भदौरिया को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् स्वरचित कविता एवं कविताओं का सस्वर पाठ प्रतियोगिताओं में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों ने अपनी पुनः प्रस्तुति दी। तदुपरान्त प्रो भदौरिया ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि 100 वर्षों के संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली है। हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है। हिन्दी का समर्थन करते समय हमें किसी भी भाषा का विरोध नहीं करना चाहिए। बड़ी विभूतियों ने हिन्दी के अलावा अन्य भाषाएं भी सीखीं। आज हम एक भाषा-भाषी होते जा रहे हैं। हिन्दी की सहयोगी बोलियों का विस्तार होता जा रहा है। बाजार हर दौर में अपने मुनाफे के लिए एक भाषा निर्मित करता है, और भाषा की ताकत को पहचान कर सभी ओर पहुंच रहा है। कोई भी भाषा किसी टकसाल या फैक्ट्री में नहीं बनती वह तो प्रयोग करने से ही जीवित रहती है।अन्त में प्राचार्या ने प्रो भदौरिया को स्मृति चिह्न एवं पौधा देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ रेनू आनन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या प्रो रंजना त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्राओं सहित अन्य महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं भी उपस्थित रहे।

परिसर में पान, ...वेश पर पाबन्दी

मौजूद रहेंगे। नगर पालिका की सफाई टीम के साथ अन्य लोगों से भी जुड़ने की अपील की। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत राजेश कुमार से कहा की भूगर्भ विद्युत तारों को बिछाने का कार्य नवरात्र के पूर्व तय समय सीमा के अंदर पूर्ण करें। बड़े आकार में स्थानियों की दुकानों के सामने लगाए जा रहे चेंजर बॉक्स को संभव हो तो छोटा करें तथा मानक के अनुसार ही स्थानों का चयन करे। पिछले निरीक्षण के दौरान एक बड़े बोरवेल का निर्देश जारी हुआ था जो अभी तक नही किए जाने पर कार्यदाई संस्था को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि, किसी निर्देश पर गंभीरता से कार्य करिए। परिपथ में नालियों तथा फर्श पर पत्थर लगाने का कार्य शीघ्र संपादित करें। इस दौरान योजना से संबंधित कई अधिकारी मौजूद रहे।

जागो सरकार मजदूर आपके द्वारा उद्घघोष के साथ भारतीय मजदूर संघ की विशाल रैली

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों व कर्मचारियों की मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ ... रहा है। रैली में पधारे भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने सरकारी कर्मचारी के पेंशन की बहाली की मांग करते हुए कहा

इविवि में मनाया स्वच्छता पखवाड़ा

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के कला संकाय में 'स्वच्छता ही सेवा-2023' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के स्वच्छता पखवाड़ा के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश कुमार गर्ग द्वारा किया गया। 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम के दौरान

...नेकों ...दव

... जिला कार्यालय जार्ज टाउन में हुई

लोकमित्र

प्रयागराज समाचार

प्रतापगढ़ | गुरुवार | 28 सितम्बर -2023 2

हिन्दी की स्थिति को हमें मज़बूत करना है- प्रो संतोष भदौरिया

नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी मुकदमा दर्ज

पर्यटन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, छात्रों को कराया भ्रमण

गणेश महोत्सव पर आयोजित भक्ति गीत पर झूमे श्रद्धालु

भतीजों से भूमि विवाद में घायल चाचा की हुई मौत

छपर गिरने से दिव्यांग युवती घायल

राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय

राजभाषा हिंदी पखवाड़ा (दिनांक 13 से 27 सितंबर 2023) आख्या

NORTHERN INDIA PATRIKA

PRAYAGRAJ, THUR

PR

Under Seva Pakhwada, Minister Nandi toured the old age homes

➤ *Took well-being and blessings of the elders, distributed fruits*

➤ *Minister Nandi sang God's hymns with elders of old age homes*

➤ *Organized chaupals, listened to problems of people and participated in feast*

Prayagraj: Under the Seva Pakhwada program being celebrated across the country on the occasion of Prime Minister Narendra Modi's birthday, Uttar Pradesh Government's Industrial Development Minister Nand Gopal Gupta Nandi visited his Prayagraj city South Assembly constituency and served the people. At the same time, the progress and development works of the country and the state as well as the continuously increasing fame of India at the world level were discussed. Minister Nandi, while serving the elderly in the old age home, inquired about their well-being and distributed fruits. He took blessings while singing God's hymns with the elders. Minister Nandi started the day as part of Seva Pakhwada by planting saplings in the memorial garden located at Naini, Dadri, Mama-Bhanja pond in Prayagraj city southern assembly constituency. Minister Nandi called for environmental protection by planting saplings in Smriti Upvan. Outgoing Mayor of Prayagraj, Mrs. Abhilasha Gupta Nandi, District Panchayat Raj Officer Balgovind Srivastava, Divisional President Naini Dilip Kesarwani etc. planted saplings. After the plantation, the Minister reached Nandi Adharshila Old Age Ashram, Naini, where he spent time among the senior citizens and elderly people and received blessings while serving them. Minister Nandi along with Kalpavriksha elders sang hymns praising God. Elderly Dinesh Verma sang the bhajan under the leadership of Anant Srivastava, elder of Aadharshila Old Age Ashram, while elder Bhairo Gautam sang the bhajan on dholak and Bholanath Soni accompanied on harmonium. On this occasion, Aadharshila Old Age Home Manager Sheetala Prasad Srivastava, outgoing Mayor Mrs. Abhilasha Gupta Nandi, Metropolitan Vice President Anil Kesarwani Jhallar and other officials were present. Minister Nandi participated in the Samrasata Chaupal and banquet program organized at Udyog Nagar, Mukta Vihar in Naini. Here, Minister Nandi interacted with the people and inquired about their well-being. There was a detailed discussion with the mothers and sisters about Nari Shakti Vandan Act, Ayushman Card Scheme, Ujjwala Scheme and many public welfare schemes run by the Central Government. Minister Nandi said that many public welfare schemes are being run in the Yogi government. The lives of daughters are being decorated and improved through mass marriage scheme, Kanya Sumangala Yojana. The work of connecting every area of the state with development is going on. Minister Nandi said that the Prime Minister of the country and Chief Minister of Uttar Pradesh Yogi Adityanath is ready to serve the country and the state. While the Prime Minister's brother does not have a car, the Chief Minister's sister sells flower garlands on the hills in Uttarakhand. The command of the country and the state is in the hands of such a Karmayogi Prime Minister and Chief Minister. Minister Nandi listened to the problems of the people by setting up Chaupal in Dalit colony Gadhaiya Kydganj and Malakraj Dalit colony Kydganj. And people were informed about the achievements of the government. Shailendra Dwivedi, Pranvijay Singh, Satish Jaiswal, Satish Rao, Seema Sagar, Radhika, Sunny Sonkar, Dilip Kesarwani, Manoj Gupta etc. were present on this occasion.

Katra Ramlila Committee election culminates

Prayagraj: The election of the Managing Committee of Shri Katra Ramlila Committee was concluded today on Thursday with much fanfare. The hi-tech elections of this oldest religious institution of the city were held peacefully after almost a decade, the elections were like a scene at the assembly level. In the committee with the highest number of voters in Prayagraj, votes were cast from 10 am to 4 pm amid tight security. 81 voters from 54 VIPs and 458 life members participated. Former MLA Anugrah Narayan Singh, BJP's Awadhesh Gupta, Congress spokesperson Kishore Varshney, Senior Advocate Dayashankar Mishra, Councilor Shiv Sevak Singh etc. exercised their franchise. After counting of votes, the result will be announced late in the evening in the presence of election officer Anand Ghindiyal and assistant Gopal Tiwari. Sudhir Kumar Gupta on the post of President and Ashwin Kesarwani on the post of Treasurer have already been elected unopposed. The results of three Vice Presidents, one General Secretary, three Ministers and one Executive Member will be declared. Katra Ramlila Committee group originates from the time of Mughals, which is included in the five major parties of the city. A fortnight before Ramdal leaving from Bhardwaj Muni Ashram, the procession of Maharaja Ravana starts.

Election result of the Managing Committee of Shri Katra Ramlila Committee - Vice President - Vinod Kumar Kesarwani, Anand Agarwal and Mayank Agarwal General Secretary - Umesh Chandra Kesarwani Minister - Mahesh Chandra Gupta, Vipul Kumar Mittal and Shiv Babu Gupta Executive Member - Dilip Chaurasia.

Shivkuti police arrested accused wanted on rape charges, sent to jail

Prayagraj: As part of the campaign being run against crime and criminals in Prayagraj Commissionerate, Shivkuti police arrested Raju, a resident of Asaram Bapu Road, Hariom Nagar, Lucknow, an accused wanted on rape charges. On information delivered by a special informer, he was arrested by Senior Sub Inspector Umakant and Constable Akshay Kumar from near Karjanpul located under Shivkuti police station area. As per rules, advance legal action was taken against the arrested accused and he was sent to jail.

Curtains draw over "Official Language Hindi Fortnight" at RTMM

Prayagraj: The closing ceremony of "Official Language Hindi Fortnight" running at Rajarshi Tandon Mahila Mahavidyalaya (RTMM - Constituent, Allahabad University) Prayagraj (from 13 to 27 September 2023) was concluded today on 27 September 2023. The chief guest of today's program was Prof. Santosh Bhadauria ji (Chairman of Hindi Department and Coordinator, Institute of Gandhi Thought and Studies, Allahabad University). First of all, the program started with garlanding the statue of Mother Saraswati and lighting the lamp. Hindi spokesperson Dr. Renu Anand, who was conducting the program, welcomed the chief guest and everyone present in the auditorium. Principal Prof. Ranjana Tripathi welcomed Prof. Bhadauria by giving her a bouquet. After that, the participants who got first and second place in the "Self-written Poem" and "Poem Recitation" competitions gave their presentation again. After that, Prof. Bhadauria addressed everyone and said that we have got independence after 100 years of struggle. We have to strengthen the position of Hindi. While supporting Hindi, we should not oppose any language. Apart from Hindi, great personalities also learned other languages. Today we are becoming monolingual. The supporting dialects of Hindi are expanding. The market creates a language for its profits in every phase, and recognizing the power of language, it is reaching everywhere. No language is made in any mint or factory, it survives only by being used. While speaking, we are not able to understand which words of which languages are included in it. To strengthen the position of Hindi, we should use it more and more. In the end, the Principal honored Prof. Bhadauria ji by giving him a memento and a sapling. Thereafter, certificates were given to all the participants. The program was conducted by Dr. Renu Anand and the vote of thanks was given by Principal Prof. Ranjana Tripathi. On this occasion, all the teachers, female students and students of the college along with students from other colleges were also present.

Meeting of All India Malaviya Sabha Prayag held